



13 यातायात के नियम



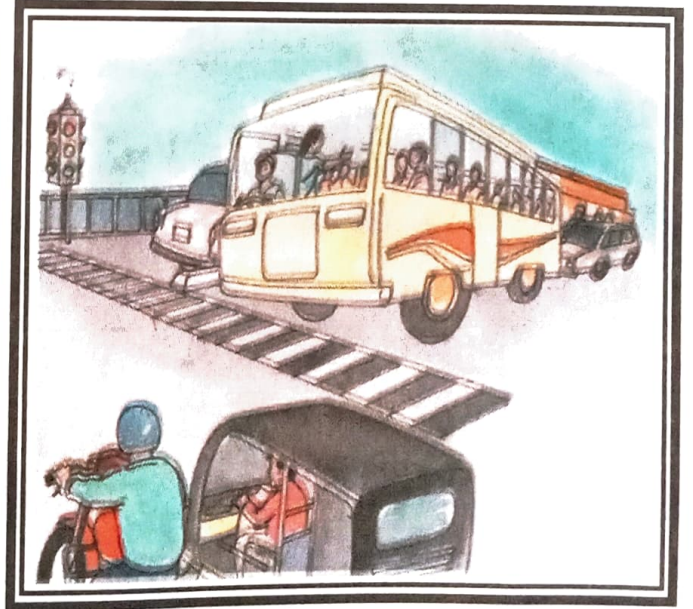
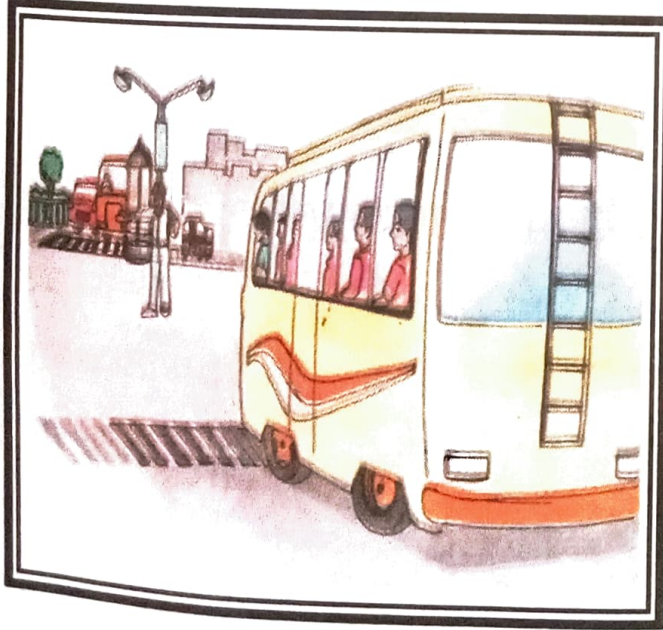
गोहरी गाँव के बच्चे अपने शिक्षकों के साथ शहर घूमने जा रहे हैं। शहर से पहले ही एक चौराहे पर अचानक बस रुक गई।

अरे! बस क्यों रुकी? अशोक ने पूछा।

सामने देखो! चौराहे पर ट्रैफिक पुलिस ने रुकने का इशारा किया है— शिक्षिका ने कहा।

अब ये बस कब चलेगी? रीना ने पूछा।

ट्रैफिक पुलिस जब चलने का इशारा करेगी, तब बस चलेगी— शिक्षिका ने बताया। थोड़ी देर में ही चलने का इशारा हुआ और बस चलने लगी। बच्चे खुश हो गए।



बस शहर में प्रवेश कर चुकी थी। एक चौराहे से ठीक पहले बस फिर रुक गई। अरे! बस यहाँ क्यों रुक गई? यहाँ तो ट्रैफिक पुलिस भी नहीं है? बच्चों ने कहा।

सामने देखो! लाल बत्ती जल रही है। हमें रुकने का संकेत हुआ है। जब हरी बत्ती जलेगी तब बस फिर से चलेगी— शिक्षिका ने कहा।

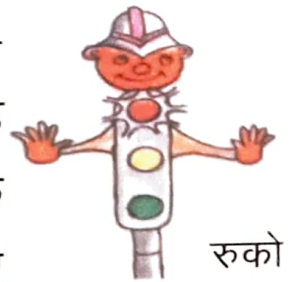


बच्चे बात कर ही रहे थे। तभी हरी बत्ती जली और बस आगे बढ़ गई।

चलती बस में बच्चों की खुसुर-फुसुर जारी थी। एक ने कहा— चौराहे पर ट्रैफिक पुलिस और बत्तियाँ क्यों लगाई गई हैं? दूसरे ने कहा— हमारे गाँव में तो यह सब नहीं है।



बच्चों की जिज्ञासा बढ़ती देख शिक्षिका ने कहा— तुम देख ही रहे हो कि शहर में कितने अधिक वाहन चल रहे हैं। जगह-जगह चौराहे हैं, जहाँ एक सड़क दूसरी सड़क को काटती है। सभी सुरक्षित चलें, जाम न लगे, इसके लिए चौराहों पर कहीं ट्रैफिक पुलिस और कहीं बत्तियाँ लगाई गई हैं।



इसके अलावा सड़क पर चलने के कुछ नियम भी बनाए गए हैं —

- सड़क पर हमेशा बाईं ओर चलें।
- चौराहे पर लाल बत्ती देखकर रुकें।
- पीली बत्ती जलने पर तैयार रहें।
- हरी बत्ती होने पर चौराहा पार करें।
- सड़क पार करने से पहले सड़क के दाएँ देखें फिर बाएँ देखें, फिर से दाएँ देखें, वाहन नहीं आ रहा हो, तब सड़क पार करें।



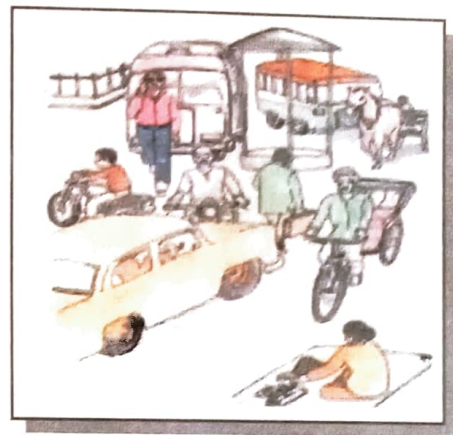
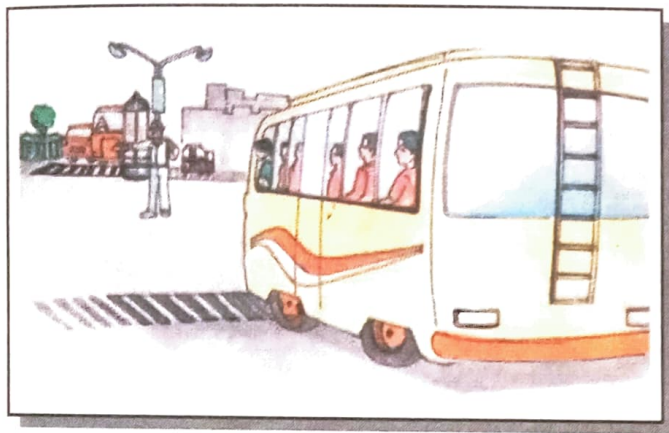
- पैदल चलते समय हमेशा फुटपाथ पर चलना चाहिए। फुटपाथ न हो तो अपनी बाईं तरफ सड़क के किनारे चलें।
- पैदल चौराहा पार करने के लिए जेब्रा क्रॉसिंग पर चलकर ही सड़क पार करें।



इसे भी जानें—

भारत देश में यातायात के नियम के अनुसार हमें सड़क पर बाईं ओर चलना चाहिए।

सावधानी हटी दुर्घटना घटी— चित्र देखकर बताओ क्या सही, क्या गलत।



यातायात के नियमों का पालन न करने पर दुर्घटनाएँ होती हैं। हमें इन नियमों का पालन करना चाहिए। स्कूटर, मोटरसाइकिल चलाते समय हेलमेट अवश्य लगाएँ, जिससे दुर्घटना होने पर हम सुरक्षित रहें। कार एवं अन्य मोटर वाहन चलाते समय सीट-बेल्ट अवश्य लगाना चाहिए। सड़क पर चलते समय मोबाइल व हेडफोन का प्रयोग नहीं करना चाहिए। मोबाइल पर बात करते समय हम गाड़ियों के हॉर्न नहीं सुन पाते हैं, जिससे आपस में टकरा सकते हैं।

चर्चा करो—

- तुमने कभी वाहनों की टक्कर देखी है ?
- ये टक्कर क्यों होती है ?



- टक्कर न हो, इसके लिए हमें क्या करना चाहिए ?
- बाइक या स्कूटर पर हेलमेट क्यों लगाते हैं ?
- यदि हम यातायात के नियमों का पालन न करें तो क्या होगा ?
- सड़क पर चलते समय मोबाइल पर बात क्यों नहीं करनी चाहिए ?

यातायात के संकेत

आओ जानें—

					आदेशात्मक चिह्न— ये चिह्न आदेश देते हैं जिनका पालन किया जाना अनिवार्य है। इनका आकार गोल एवं रंग लाल होता है, परन्तु कुछ चिह्न नीले रंग के भी होते हैं।
अन्दर आना मना है	वाहन न खड़ा करें	घरों न रुकें	हॉर्न बजाए	हॉर्न बजाना मना है	
					
दाएँ हाथ मोड़	बाएँ हाथ मोड़	पिछालन	सँकरा पुल	सँकरी सड़क	
					सूचनात्मक चिह्न— ये चिह्न विभिन्न स्थानों की सूचना देते हैं। ये आयताकार होते हैं तथा रंग नीला होता है।
सार्वजनिक टेलीफोन	स्पिटल भवन	अस्पताल	साइकिल स्टैंड	आर्टो रिक्राना स्टैंड	

सड़क पर चलते समय हमें यातायात के संकेतों का सदैव ध्यान रखना चाहिए। अस्पताल के आस-पास से वाहन लेकर जाएँ तो हॉर्न न बजाएँ। तेज आवाज से मरीजों को असुविधा होती है। सड़क के ऐसे मोड़ जहाँ से आने वाले वाहन दिखाई नहीं पड़ते, वहाँ हॉर्न जरूर बजाएँ। दाएँ एवं बाएँ का संकेत देखकर जिधर जाना हो उधर जाएँ।

★ बच्चों से एक-एक संकेत के बारे में चर्चा करते समय उनका अर्थ स्पष्ट करें।

क्या करें, क्या न करें

यात्रा करते समय खाए गए फलों के छिलके एवं नमकीन, बिस्किट के खाली पैकेट इधर-उधर नहीं फेंकना चाहिए। उसे कूड़ेदान में ही डालें। रास्ते में कोई ऐसा व्यक्ति मिले जिसे सड़क पार करने में असुविधा हो रही है, तो उसकी मदद अवश्य करनी चाहिए।

ऐसा करें	ऐसा न करें
• स्कूटर एवं मोटरसाइकिल चलाते समय हेलमेट अवश्य पहनें।	• दो पहिया वाहनों पर दो से अधिक व्यक्ति न बैठें।
• कार चालक एवं उसमें बैठे अन्य सदस्य सीट-बेल्ट का प्रयोग करें।	• तेज गति से वाहन न चलाएँ।
• यातायात के नियमों व संकेतों का पालन करें।	• लाल संकेत होने पर चौराहा पार न करें।
• कूड़ा हमेशा कूड़ेदान में डालें।	• सड़क पर कूड़ा न फैलाएँ।

हमारा दायित्व

मोटर वाहन एक्ट की धारा 134 में कहा गया है कि जिसकी गाड़ी से दुर्घटना हुई है, उसका दायित्व है कि वह घायल को डॉक्टर के पास ले जाए और पुलिस को सूचना दे। यदि हमारी गाड़ी से दुर्घटना नहीं हुई है लेकिन हमारे सामने हुई है तो भी हमारा दायित्व है कि हम घायल व्यक्ति की मदद करें, जिससे उसे तुरन्त उपचार मिल सके और उसकी जान बचाई जा सके।



प्रश्नों के उत्तर लिखो—

1. सड़क पर चलते समय दुर्घटनाएँ क्यों होती हैं ?

2. स्कूटर या मोटरसाइकिल चलाते समय हेलमेट पहनना क्यों आवश्यक है ?
3. यातायात संकेत किसे कहते हैं ? इनका पालन क्यों जरूरी है ?
4. फलों के छिलके, नमकीन या बिस्किट के खाली पैकेट हमें कहाँ फेंकना चाहिए ? और क्यों ?
5. नीचे यातायात के नियम सम्बन्धी कुछ संकेत दिए गए हैं। इन संकेतों के क्या मतलब हैं, हर एक के सामने लिखो—

6. प्रार्थना सभा में भाग लेने से लेकर स्कूल बंद होने के समय तक हम स्कूल में कुछ काम प्रतिदिन करते हैं—
 - प्रार्थना सभा करना ।
 - दोपहर में भोजन करना ।
 - पुस्तकालय में पढ़ना ।
 - स्कूल की साफ—सफाई और स्वच्छता ।

इनमें से हर एक काम के क्या नियम होने चाहिए ? साथियों एवं शिक्षक के साथ चर्चा करो और चार्ट पर नियम लिखकर सम्बन्धित स्थान पर लगाओ ।

